Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 26 August 2024

Dainik Jagran
Page - 02

अब गोवि की डिग्री पर दर्ज होगी जारी होने की अंग्रेजी व हिंदी तिथि

तिथि अंकित करने का विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया निर्णय

- डिग्री पर तिथि न होने से अन्य शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के दौरान विद्यार्थी होते हैं परेशान

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : छात्रहित में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने डिग्री को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। निर्णय के मुताबिक अब विद्यार्थियों को जो डिग्री मिलेगी उसपर तिथि के स्थान पर विजयदशमी या रामनवमी नहीं लिखा होगा। बाकायदा डिग्री जारी होने की तिथि अंकित होगी। यह तिथि अंग्रेजी के ग्रेगेरियन कैलेंडर और भारतीय विक्रम संवत दोनों रूप में होगी।

निर्णय की जानकारी देते हुए कुलपति ने बताया कि डिग्री पर उसकी जारी न होने की तिथि अंकित न होने से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की डिग्री के आधार पर देश व विदेश के अन्य शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के दौरान दिक्कत का सामना करना पड़ता है। कई संस्थान तो प्रवेश लेने से ही इन्कार कर देते हैं। यह परेशानी लेकर आए दिन विद्यार्थी प्रशासनिक भवन का चक्कर लगाते हैं। उनकी यह असुविधा दूर करने के लिए ही डिग्री पर अंग्रेजी व हिंदी तिथि अंकित कराने का निर्णय लिया गया है। चूंकि अब दीक्षा समारोह का नियमित आयोजन होता है, ऐसे में यह जरूरी भी हो गया था। विजयदशमी और रामनवमी लिखने की परंपरा तबसे चली आ रही है, जब दीक्षा समारोह का आयोजन नहीं होता था और डिग्री पर एक तिथि के स्थान पर्व का नाम अंकित कर दिया जाता था।

विद्या परिषद व कार्य परिषद की बैठक बुलाई

विश्वविद्यालय प्रशासन ने डिग्री पर अंग्रेजी व हिंदी तिथि अंकित करने का निर्णय लेने के बाद अपने निर्णय को आधिकारिक स्वरूप प्रदान के लिए विद्या परिषद व कार्य परिषद की 27 अगस्त को आकस्मिक बैठक बुलाई है। चूंकि बैठक में सदस्यों का इतनी कम अवधि की सूचना पर आना संभव नहीं हो सकेगा, ऐसे में बैठक मोड आनलाइन रखा गया है। विद्या परिषद की बैठक का समय सुबह 11 बजे निर्धारित किया है। कार्य परिषद की बैठक उसके ठीक दो घंटे बाद यानी दोपहर एक बजे बुलाई गई है।

Amar Ujala
Page - 07

डिग्री पर रामनवमी-विजयदशमी नहीं, अब दीक्षांत की तिथि रहेगी

डीडीयू : ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार दीक्षांत समारोह की तिथि लिखवाने की तैयारी

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से विद्यार्थियों को मिलने वाली डिग्री पर अब रामनवमी-विजयदशमी नहीं बल्कि दीक्षांत समारोह की तिथि अंकित होगी।

लंबे समय से चली आ रही परंपरा में विश्वविद्यालय प्रशासन बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए 27 अगस्त को विद्या परिषद और कार्य परिषद की आकस्मिक बैठक बुलाई गई है।

विश्वविद्यालय से जारी होने वाली स्नातक व परास्नातक की डिग्री में अभी तक तिथि अंकित नहीं रहती थी। उस पर केवल रामनवमी-विजयदशमी लिखा होता था। यहां के छात्र जब दूसरे किसी संस्थान में प्रवेश के लिए जाते थे तो इसे लेकर परेशानी का सामना करना पड़ता था। डिग्री कब जारी हुई इसके बारे में किसी को भी स्पष्ट जानकारी नहीं रहती थी।

रामनवमी-विजयदशमी लिखे होने से अन्य संस्थानों में प्रवेश में आती है परेशानी

पहले रामनवमी-विजयदशमी पर मिलती थी डिग्री : विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अनुसार पहले दीक्षांत समारोह हर वर्ष नहीं होता था। दो या तीन साल पर एक बार दीक्षांत का आयोजन होता था, लेकिन हर साल विद्यार्थी परीक्षा पास करते थे।

हिंदू परंपरा के अनुसार रामनवमी और विजयदशमी का दिन शुभ माना जाता है। इसीलिए इन दिनों पर डिग्री देने की परंपरा थी। जिसकी वजह से डिग्री पर रामनवमी-विजयदशमी लिखा जाने लगा। काफी समय बीतने के बाद भी किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। अब कई बार ऐसा होता है कि विजयदशमी से पहले ही दीक्षांत होता है और उसके बाद डिग्री मिल जाती है। तिथि नहीं होने पर दूसरे संस्थानों में यह सवाल पूछा जाता है कि विजयदशमी से पहले डिग्री कैसे मिल गई?

विद्या परिषद व कार्य परिषद के मंजूरी का इंतजार

विश्वविद्यालय प्रशासन अब डिग्री पर रामनवमी-विजयदशमी की जगह ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार दीक्षांत समारोह की तिथि लिखवाने की तैयारी कर रहा है। इसको इसी दीक्षांत से शुरू करने की तैयारी है। 27 को यदि विद्या परिषद और कार्य परिषद से स्वीकृति मिल जाती है तो 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार तिथि अंकित डिग्री मिलेगी।

डिग्री पर उसके जारी होने की तिथि अंकित न होने की वजह से विद्यार्थियों को प्रवेश में परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब रामनवमी/विजयदशमी की जगह ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार दीक्षांत समारोह की तिथि लिखने की तैयारी है। विद्या परिषद और कार्य परिषद से स्वीकृति के बाद इसी दीक्षांत से लागू किया जाएगा।

– प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

87 हजार विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री : 43वें दीक्षांत समारोह में सत्र 2023-24 में 87,359 विद्यार्थियों को स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएगी। इसमें विश्वविद्यालय परिसर के 6,793 और महाविद्यालयों के 80,566 विद्यार्थी शामिल हैं।

रोल प्ले से आतिथ्य सत्कार का दिया प्रस्तुतिकरण

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के तहत रविवार को होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी विभाग में रोल प्ले का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने होटल में अतिथि के आगमन से लेकर विदाई तक की पूरी प्रक्रिया को प्रदर्शित किया। उन्होंने होटल प्रबंधन के माध्यम से आतिथ्य सत्कार का प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण दिया। वाणिज्य विभाग के अधिष्ठाता प्रो. श्रीवर्धन पाठक ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। संवाद

जन्माष्टमी : आज खुले रहेंगे डीडीयू के दफ्तर

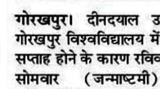

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह होने के कारण रविवार और सोमवार (जन्माष्टमी) की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। इन दो दिनों की निरस्त हुईं छुट्टियां दशहरा या दीपावली पर जोड़कर मिल सकती हैं।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि दीक्षांत की तैयारियों को देखते हुए 25 और 26 अगस्त की छुट्टियां निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। दीक्षांत समारोह बीतने के बाद इन छुट्टियों को मैनेज करने पर निर्णय लिया जाएगा। संवाद

Hindustan
Page - 06

परंपरा में बदलाव के लिए विद्या परिषद व कार्य परिषद की आकस्मिक बैठक कल

डिग्री पर रामनवमी-विजयदशमी नहीं, दर्ज होगी दीक्षांत की तिथि

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय वर्षों से चली आ रही परंपरा को बदलने जा रहा है। दीक्षांत के अवसर पर मिलने वाली डिग्री पर अब रामनवमी या विजयदशमी नहीं बल्कि दीक्षांत समारोह की तिथि अंकित होगी। डिग्री में दर्ज जारी करने की तिथि रामनवमी व विजयदशमी होने से दूसरे संस्थानों में प्रवेश के समय छात्रों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, इसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसके लिए 27 अगस्त को विद्या परिषद और कार्य परिषद की आकस्मिक बैठक आयोजित की गई है।

डीडीयू में पहले हर वर्ष दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं होता था। विद्यार्थी हर वर्ष उत्तीर्ण तो होते थे लेकिन दीक्षांत जैसा आयोजन दो-तीन वर्षों में हो पाता था। हिन्दू परंपरा में रामनवमी और विजयदशमी का दिन शुभ माना जाता है। इसलिए डिग्री पर जारी करने की तिथि भी रामनवमी/विजयदशमी ही होती थी। समय के साथ यह परंपरा बन गई। हाल के दशकों में हर वर्ष दीक्षांत समारोह होने लगा लेकिन कभी इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया गया। अब प्रायः विजयदशमी से पहले ही दीक्षांत समारोह आयोजित होता है और उसके बाद डिग्री मिल जाती है। दूसरे संस्थानों में प्रवेश के लिए जाते समय वह सवाल खड़ा कर दिया जाता था कि विजयदशमी बीतने से पहले ही कैसे विजयदशमी की तिथि में डिग्री मिल गई? डिग्री कब जारी हुई इसके बारे में उल्लेख नहीं होता था।

ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार रहेगी तिथि: डीडीयू में अब डिग्री पर रामनवमी/ विजयदशमी की जगह ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार दीक्षांत समारोह की तिथि लिखवाने की तैयारी कर रहा है। इसे 30 अगस्त को आयोजित दीक्षांत समारोह से ही शुरू करने की तैयारी है। इसे देखते हुए एकल एजेंडे पर विद्या परिषद और कार्य परिषद की आकस्मिक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई है।

“डिग्री पर उसके जारी होने की तिथि अंकित न होने से विद्यार्थियों को दूसरे संस्थानों में प्रवेश में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। अब डिग्री पर रामनवमी/ विजयदशमी की जगह ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार दीक्षांत समारोह की तिथि अंकित की जाएगी।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

होटल मैनेजमेंट विभाग में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक व रोल प्ले करने वाले विद्यार्थी।

रोल प्ले में दिखी 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू के 43वें दीक्षांत सप्ताह समारोह के तहत होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी विभाग में रोल प्ले का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा को बहुत ही शानदार तरीके से प्रस्तुत किया।

रोल प्ले में अतिथि के होटल पहुंचने पर स्वागत से लेकर ठहरने के दौरान की सर्विस और विदा होने तक के आतिथ्य सत्कार का मंचन किया गया। वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो. श्रीवर्धन पाठक ने विद्यार्थियों की प्रशंसा की। डॉ. अंशु गुप्ता ने आभार ज्ञापित किया। स्वागत आशीष रंजन एवं कुरेश खान ने किया। कार्यक्रम में प्रो आरपी सिंह, डॉ. राहुल मिश्र, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. प्रतिमा जायसवाल, डॉ. सुमन कन्नौजिया, डॉ. धर्मेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

दशहरा व दिवाली पर मिल सकती हैं निरस्त हुई छुट्टियां

गोरखपुर। डीडीयू में दीक्षांत सप्ताह होने के कारण रविवार और सोमवार (जन्माष्टमी) की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। इन दो दिनों की निरस्त हुई छुट्टियां दशहरा या दीपावली पर जोड़कर मिल सकती हैं। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि दीक्षांत की तैयारियों को देखते हुए 25 और 26 अगस्त की छुट्टियां निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

दीक्षांत समारोह के मंच से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगी कुलाधिपति

- एमएमएमयूटी व डीडीयू में छात्र गाएंगे पर्यावरण संरक्षण के गीत
- दीप प्रज्वलन की जगह पर्यावरण संरक्षण गीत का होगा आयोजन

पहल

गोरखपुर, निज संवाददाता। दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनते जा रहे पर्यावरण के प्रति सजगता के लिए राजभवन ने परंपरा में बदलाव का निर्णय लिया है। एमएमएमयूटी और डीडीयू में दीक्षांत के मंच से दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम हटा दिया गया है। अब इसकी जगह पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। छात्र-छात्राएं उस अवधि में पर्यावरण संरक्षण के गीत गाएंगे।

दीक्षांत के अवसर पर कुलाधिपति और अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर समारोह के औपचारिक शुरुआत की परंपरा रही है। लेकिन अब इस कार्यक्रम को हटाकर इसकी जगह पर्यावरण जागरूकता पर जोर दिया गया है। इसके तहत दोनों विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं की एक टीम उस अवधि में पर्यावरण को लेकर जागरूकता के लिए गीत गाएगी। दीक्षांत जैसा बड़ा मंच होने के कारण इसका संदेश भी दूर तक जाएगा। इसे देखते हुए कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने दीप प्रज्वलन की जगह उस अवधि में पर्यावरण संरक्षण के गीत का निर्णय लिया है। इस सम्बन्ध में राजभवन से विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा जा चुका है।

पिछले वर्ष दिया था जल संरक्षण का संदेश : पिछले वर्ष पहली बार दीक्षांत समारोह के दौरान दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम हटा दिया गया था। दीक्षांत के मंच से जल संरक्षण का संदेश दिया गया था। इसके तहत अतिथियों द्वारा घड़े में जल भरा गया था।

मिनट्स में दीप प्रज्वलन की जगह पर्यावरण संरक्षण पर गीत को शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी दीक्षांत के मंच से पर्यावरण पर गीत की प्रस्तुति देंगे। इससे समाज में नया विमर्श भी शुरू होगा।

-प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, एमएमएमयूटी

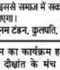

पूरी दुनिया विकास की ओर भाग रही है। इससे पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा यह निर्णय लिया गया है। इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

Amar Ujala Select
Page - 04

डीडीयू : अब डिग्री पर रामनवमी-विजयदशमी नहीं, दीक्षांत की तिथि रहेगी

डिग्री पर ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार नहीं होती है तिथि, रामनवमी/ विजयदशमी लिखा होने से प्रवेश में आती है परेशानी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से विद्यार्थियों की डिग्री पर अब रामनवमी/ विजयदशमी नहीं बल्कि दीक्षांत समारोह की तिथि अंकित होगी। काफी पहले से चली आ रही परंपरा में विश्वविद्यालय प्रशासन बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए 27 अगस्त को विद्या परिषद और कार्य परिषद की आकस्मिक बैठक बुलाई गई है।

विश्वविद्यालय से जारी होने वाली स्नातक-परास्नातक की डिग्री में अभी तक तिथि अंकित नहीं रहता था। वहां केवल रामनवमी/ विजयदशमी लिखा होता था। यहां के छात्र जब दूसरे किसी संस्थान में प्रवेश के लिए जाते थे तो वहां इसे लेकर परेशानी का सामना करना पड़ता था। डिग्री कब जारी हुई इसके बारे में किसी को भी स्पष्ट जानकारी नहीं रहती थी।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अनुसार पहले दीक्षांत समारोह हर वर्ष नहीं होता था। दो या तीन साल पर एक बार दीक्षांत का आयोजन होता था। लेकिन हर साल विद्यार्थी परीक्षा पास करते थे। हिंदु परंपरा के अनुसार रामनवमी और विजयदशमी का दिन शुभ माना जाता है।

इसीलिए इन दिनों पर डिग्री देने की परंपरा थी। जिसकी वजह से डिग्री पर रामनवमी/विजयदशमी लिखा जाने लगा। काफी समय बीतने के बाद भी किसी ने इसपर ध्यान नहीं दिया। अब कई बार ऐसा होता है कि विजयदशमी से पहले ही दीक्षांत होता है और उसके बाद डिग्री मिल जाती है। इसपर तिथि नहीं है ऐसे में दूसरे संस्थानों में यह सवाल पूछा जाता है कि विजयदशमी से पहले डिग्री कैसे मिल गई।

ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार रहेगी तिथि

विश्वविद्यालय प्रशासन अब डिग्री पर रामनवमी/विजयदशमी की जगह ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार दीक्षांत समारोह की तिथि लिखवाने की तैयारी कर रहा है। इसको इसी दीक्षांत से शुरू करने की तैयारी है। 27 को यदि विद्या परिषद और कार्य परिषद से स्वीकृति मिल जाती है तो 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार तिथि अंकित डिग्री मिलेगी।

87 हजार विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री

43वें दीक्षांत समारोह में सत्र 2023-24 में 87,359 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाएगी। इसमें विश्वविद्यालय परिसर के 6,793 और महाविद्यालयों के 80,566 विद्यार्थी शामिल हैं।

“डिग्री पर उसके जारी होने की तिथि अंकित न होने की वजह से विद्यार्थियों को प्रवेश में परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब रामनवमी/विजयदशमी की जगह ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार दीक्षांत समारोह की तिथि लिखने की तैयारी है। विद्या परिषद और कार्य परिषद से स्वीकृति के बाद इसी दीक्षांत से लागू किया जाएगा।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

Inext
Page - 04

उपलब्धि गोरखपुर में कई बड़े पदों पर आधी आबादी

वुमेन इक्वालिटी डे : टक्कर बराबरी की

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (25 August): वुमेन इक्वालिटी डे हर साल 26 अगस्त को महिलाओं के समान अधिकारों के इमपोर्टेंस और उनकी संघर्षपूर्ण जर्नी को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है. यह दिन न केवल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है, बल्कि समाज में महिलाओं की भूमिका और उपलब्धियों को भी सम्मानित करता है. वूमेन इक्वालिटी भले ही समाज में बराबर न हो लेकिन गोरखपुर में वूमेन इक्वालिटी का जीताजागता उदाहरण देखने को मिल जाएगा. यहां कई बड़े पदों पर महिलाएं हैं और अपने पद की गरिमा के अनुसार कार्य कर रही हैं.

डीडीयू का सफल संचालन

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी की वाईस चांसलर पूनम टंडन बताती हैं कि उन्होंने महिलाओं के लिए काफी काम किया है. यूनिवर्सिटी से जुड़े कॉलेजों में महिलाओं की स्ट्रेंथ 50 प्रतिशत है. हाल ही में हमने पांच गांव के स्कूलों को गोद लिया और वहां प्रतियोगिता कराई, जिसमें 62 में से 55 मेडल लड़कियों ने जीते. डीडीयू के महिला अध्ययन केंद्र से हम महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं, वूमेन सेफ्टी के लिए बड़े स्तर पर काम कर रहे है. पूनम टंडन कहती हैं कि वुमेन इक्वालिटी के लिए जेंडर गैप का इक्वल होना जरूरी है.

पुलिस में छोड़ी अलग छाप

सीओ कैंट आईपीएस अशिका वर्मा ने गोरखपुर पुलिस महकमे मे अपनी अलग छाप छोड़ी है. उन्होंने बताया की महिलाओ के अधिकारों और सुरक्षा के लिए लगातार जागरूक करने के साथ वुमेन सेफ्टी के मुद्दों पर काम कर रही है. समय-समय पर कॉलेजों मे जागरूकता के माध्यम से छात्राओं को वुमेन सेफ्टी के प्रति शिक्षित करती है. व्यक्तिगत स्तर पर भी महिलाओं की सहायाता करती रहती है. यूपीएससी जैसे एग्जाम मे महिलाओं से एडमिशन शुल्क नही लेना वुमेन इक्वालिटी को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कदम है.

मेडिकल में गाड़ा झंडा

गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में गाईनी की प्रोफेसर डॉ. रीना ने अपनी अलग पहचान बनाई है. वह कहती हैं कि अब कोई भी फील्ड महिलाओं के लिए अछूता नही है, बस मौका मिलना चाहिए. वह बताती है कि मेडिकल प्रोफेशन और आपातकालीन ड्यूटी के बावजूद वह काम व परिवार मे तारतम्य बनाएं रखती हैं. मेडिकल कॉलेज आने वाली महिलाओं को उचित सलाह देने के साथ ही जरूरत पर मदद भी करती हैं.

डीडीयू की डिग्री पर दर्ज होगी जारी होने की अंग्रेजी व हिंदी डेट

विजयदशमी या रामनवमी के जगह पर तिथि अंकित करने का गोवि ने लिया निर्णय

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (25 August): छात्रहित में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने डिग्री को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. निर्णय के मुताबिक अब विद्यार्थियों को जो डिग्री मिलेगी उसपर तिथि के स्थान पर विजयदशमी या रामनवमी नहीं लिखा होगा. बाकायदा डिग्री जारी होने की तिथि अंकित होगी. यह तिथि अंग्रेजी के ग्रेगेरियन कैलेंडर और भारतीय विक्रम संवत दोनों रूप में होगी.

निर्णय की जानकारी देते हुए कुलपति ने बताया कि डिग्री पर उसकी जारी न होने की तिथि अंकित न होने से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की डिग्री के आधार पर देश व विदेश के अन्य शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के दौरान दिक्कत का सामना करना पड़ता है. कई संस्थान तो प्रवेश लेने से ही इन्कार कर देते हैं. यह परेशानी लेकर आए दिन विद्यार्थी प्रशासनिक भवन का चक्कर लगाते हैं. उनकी यह असुविधा दूर करने के लिए ही डिग्री पर अंग्रेजी व हिंदी तिथि अंकित कराने का निर्णय लिया गया है. चूंकि अब दीक्षा समारोह का नियमित आयोजन होता है, ऐसे में यह जरूरी भी हो गया था. विजयदशमी और रामनवमी लिखने की परंपरा तबसे चली आ रही है, जब दीक्षा समारोह का आयोजन नहीं होता था और डिग्री पर एक तिथि के स्थान पर्व का नाम अंकित कर दिया जाता था.

बुलाई गई बैठक

विश्वविद्यालय प्रशासन ने डिग्री पर अंग्रेजी व हिंदी तिथि अंकित करने का निर्णय लेने के बाद अपने निर्णय को आधिकारिक स्वरूप प्रदान के लिए विद्या परिषद व कार्य परिषद की 27 अगस्त को आकस्मिक बैठक बुलाई है. चूंकि बैठक में सदस्यों का इतनी कम अवधि की सूचना पर आना संभव नहीं हो सकेगा, ऐसे में बैठक मोड आनलाइन रखा गया है. विद्या परिषद की बैठक का समय सुबह 11 बजे निर्धारित किया है. कार्य परिषद की बैठक उसके ठीक दो घंटे बाद यानी दोपहर एक बजे बुलाई गई है.

Super Fast Times

चित्रों में उभरा ई-कॉमर्स, प्रदर्शनी में अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

– वाणिज्य विभाग में चित्रकला की प्रदर्शनी

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय,बी०कॉम बैंकिंग एंड इंश्योरेंस में शिक्षात्मक चित्रकला प्रतियोगिता की प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। इस प्रदर्शनी में छात्र- छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से विविध आयामों को दशार्या। जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,ई-कॉमर्स, इंश्योरेंस, लीडरशिप, शिक्षा, संचार, विपणन आदि विषयों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता अधिष्ठाता प्रो० श्रीवर्धन पाठक एवं समन्वयक डॉ० मनीष कुमार के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो०ऊषा सिंह, अध्यक्ष ललित कला और संगीत विभाग, तथा विशिष्ट अतिथि डॉ०गौरीशंकर चौहान,डॉ० प्रदीप साहनी एवं डॉ० प्रदीप रजौरिया की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के प्रो०आशीष कुमार श्रीवास्तव, प्रो०अनिल कुमार यादव,डॉ०अंशू गुप्ता, डॉ० पूर्णिमा मिश्रा,डॉ०कल्पना सिंह,डॉ० धर्मेन्द्र सिंह,डॉ०फरोजा,डॉ० प्रतीक भट्ट एवं विभाग के शोधार्थी उपस्थित रहे।

एक विद्यार्थी में 7 पी का होना आवश्यक : प्रो० अजय कुमार शुक्ला

दीक्षांत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का हुआ आयोजन

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर "व्यक्तित्व विकास और प्रभावी संचार" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन के दूरदर्शी नेतृत्व में किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर अजय शुक्ला,गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के अध्यक्ष रहे। उन्होंने एक विद्यार्थी में सात पी का होना जरूरी बताया पैशन पर्सवेरेंस,प्लानिंग,पेशेंस ,प्रूडेंस, परफेक्शन,पॉज़िटिविटी। उन्होंने प्रभावी संचार के लिए महत्त्वपूर्ण 7 सी-क्लियर,कन्साइज,कांक्रीट,करेक्ट, कोहेरेंट,कम्पलीट और कर्टियस पर बल दिया। प्रो० शुक्ला ने छात्रों को सफलता के मूल मंत्र भी बताए। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए जुनून,दृढ़ता,योजना,धैर्य,विवेक,पूर्णता और सकारात्मकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने रतन टाटा द्वारा दिए गए सफलता के सूत्र - आत्मविश्वास,इच्छाशक्ति एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाने पर भी बल दिया। व्याख्यान में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर भी चर्चा की गई। प्रो०शुक्ला ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भावनात्मक बुद्धिमत्ता को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। उन्होंने छात्रों को सकारात्मक लोगों के साथ रहने और नकारात्मक लोगों से दूर रहने की सलाह दी। समग्र रूप से,व्याख्यान व्यक्तित्व विकास एवं प्रभावी संचार के महत्व पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान रहा। समस्त छात्र एवं छात्राएं व्याख्यान से लाभांवित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो० श्रीवर्धन पाठक द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन डॉ०अंशु गुप्ता (होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी के संयोजक) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी विभाग के अतिथि शिक्षक,बी.कॉम बैंकिंग एवं इंश्योरेंस विभाग के अतिथि शिक्षक ,शोध छात्र और होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रद्योगिकी विभाग के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अंग्रेजी विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

एसडीजी के लक्ष्यों को पोस्टर पर उकेरा

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह की गतिविधियों के तहत अंग्रेजी विभाग ने 'सतत विकास लक्ष्यों' एसडीजी पर केंद्रित एक आकर्षक पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया। 24 अगस्त को आयोजित इस प्रतियोगिता में परास्नातक छात्र अफ्फान राशिद,पूजा,शिवांगी विश्वकर्मा,प्रिया गुप्ता,अंजू उपाध्याय और शोध छात्र खुशबू जायसवाल सहित अनेकों प्रतिभागियों ने अपनी अद्वितीय रचनात्मकता और साहित्यिक कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने गरीबी उन्मूलन,गुणवत्ता शिक्षा,स्वच्छ जल और सैनिटेशन,औद्योगिक विकास,नवाचार,जलवायु परिवर्तन,समुद्री जीवन,शांति,न्याय,और वैश्विक साझेदारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुत किए। इन पोस्टरों ने न केवल छात्रों की रचनात्मकता को उजागर किया,बल्कि वैश्विक समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता और सोच की गहराई को भी प्रदर्शित किया। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो० अजय कुमार शुक्ल ने कहा,यह प्रतियोगिता हमारे छात्रों के समग्र विकास और समकालीन मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण को व्यक्त करने का एक सशक्त मंच है। ऐसी गतिविधियाँ न केवल उनकी बौद्धिक क्षमताओं को निखारती हैं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति जागरूक और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित भी करती हैं।उन्होंने यह भी जोर दिया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों को भविष्य के लिए नई दृष्टि और समाधान खोजने की प्रेरणा देती हैं। इस अवसर पर,कुलपति प्रो० पूनम टंडन ने विभाग के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि सतत विकास लक्ष्यों के प्रति छात्रों की प्रतिबद्धता और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों की सराहना करते हुए उन्हें अपनी रचनात्मकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को और भी अधिक निखारने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी डॉ० पंकज सिंह सहित शोध छात्र एवं परास्नातक के छात्र भी उपस्थित रहे।